राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
उत्तराखण्ड
National Institute of Technology,
Uttarakhand

Media Coverage

May 2022

अमर उजाला, शनिवार, 14 मई 2022, Page No.08.

सौम्य को मिला 34 लाख रुपये का पैकेज

संवाद न्यूज एजेंसी

तीन माह में एनआईटी के 86 विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट, औसत पैकेज में 35 फीसदी की हुई वृद्धि

श्रीनगर। एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड की कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा सौम्य अग्रवाल का एडोब कंपनी में 34 लाख रुपये के सालाना पैकेज में प्लेसमेंट हुआ है। यहां पिछले तीन माह में 86 छात्र-छात्राओं का चयन प्रतिष्ठित कंपनियों में हो चुका है। संस्थान के अनुसार, प्लेसमेंट में औसत पैकेज 6 लाख रुपये से बढ़कर 9 लाख रुपये हो गया है। इसमें 35 फीसदी बढ़ोतरी हुई है, जो संस्थान की अच्छी उपलब्धि है।

एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि तीन माह में 86 विद्यार्थियों का चयन हो चुका है। इसमें सौम्य अग्रवाल को सर्वाधिक पैकज 34 लाख रुपये का मिला है। पिछले दो हफ्तों में चली प्लेसमेंट प्रक्रिया में 8 छात्र-छात्राओं का चयन 14 लाख रुपये के पैकेज में सैमसंग कंपनी में हुआ है। इनमें 6 कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग और 2 इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के हैं।

13 छात्र-छात्राओं का 5 से 6 लाख रुपये के पैकेज में सैमसंग, अशाही ग्लास एवं आईटीसी इंफोटेक में चयन हुआ है। साथ ही 35 छात्र-छात्राओं का चयन इंटर्नशिप (प्रशिक्षु) के लिए हुआ है। इनमें इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के छात्र वेदांत ममगाइं का चयन 2.62 लाख रुपये प्रति माह हुआ है। वह नीरवाना इंश्योरेंस कंपनी अमेरिका में चयनित हुए हैं। वहीं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के दिपांशु तनेजा को थाट्स स्पाट कंपनी में एक लाख रुपये प्रतिमाह का पैकेज मिला है।

दैनिक जागरण, शनिवार, 14 मई 2022, Page No.09.

86 एनआइटी छात्रों को आकर्षक पैकेज

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वालः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि संस्थान के 86 छात्र-छात्राओं का चयन आकर्षक पैकेज के साथ बेहतर प्लेसमेंट को लेकर हुआ है। प्लेसमेंट के औसत पैकेज में 35 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा सौम्या अग्रवाल को 34 लाख रुपये के पैकेज में एडोज कंपनी में प्लेसमेंट मिला है। दो हफ्तों में ही कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छह, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग के दो छात्रों को आकर्षक पैकेज के साथ सेमसंग कंपनी में प्लेसमेंट मिल चुका है। कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के छह, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग के दो-दो और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के एक छात्र को सैमसंग, अशाही ग्लास आइटीसी इंफोटेक में बेहतर प्लेसमेंट मिला है।

उन्होंने कहा कि 35 छात्रों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों की ओर से बतौर प्रशिक्षु किया जा चुका है। जिसमें इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग के वेदांत ममगाईं को 2.62 लाख रुपये प्रतिमाह पर मीरवाना इंश्योरेंस कंपनी अमेरिका में बतौर प्रशिक्षु प्लेसमेंट मिला है। दीपांशु तनेजा का बतौर प्रशिक्षु एक लाख रुपये प्रतिमाह थाट्स स्पाट कंपनी में चयन हुआ है। प्लेसमेंट सेक्शन के समन्वयक डा. कृष्ण कुमार और प्रोफेसर इंचार्ज डा. हरिहरन मुथुसामी को भी इन उपलब्धियों के लिए निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बधाई दी है।

गढ़वाल की और भी खबरें पढ़ें
www.jagran.com

हिन्दुस्तान, शनिवार, 14 मई 2022, Page No.06.

एनआईटी श्रीनगर में छात्रों के नौकरी में चयन का दावा

श्रीनगर। एनआईटी श्रीनगर में राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली के तहत व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं स्थानन जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियों को महत्ता दी जा रही है, ताकि एनआईटी में श्रमशक्ति नियुक्ति को बढ़ाना और राष्ट्रीय व अर्न्तराष्ट्रीय संगठन को संस्थान से जोड़ने का काम हो सके।

एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि संस्थान में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन से राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचे में बहुत उपयोगी साबित होगा। कहा कि प्लेसमेंट का औसत पैकेज 6 लाख से बढ़ाकर 9 लाख हुआ है, जिसमें औसतन पैकेज में लगभग 35 प्रतिशत अधिक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि अभी तक एनआईटी के 86 छात्रों का चयन हो चुका है। जिसमें सौम्य अग्रवाल का एडोब कंपनी में 34 लाख रुपये के पैकेज पर चयन हुआ है। विगत दो हफ्तों में 8 छात्रों का 14 लाख के पैकेज पर चयन हुआ है। जबकि 13 छात्रों का 5 से 6 लाख के बीच चयन हुआ है। कहा अभी तक प्रशिक्षु के लिए 35 छात्रों का चयन हो चुका है। जिसमें अधिकतम पैकेज वेदांत ममगाईं का 2.62 लाख और दीपांशु तनेजा का एक कंपनी में 1 लाख प्रति माह के लिए चयन हुआ है।

अमर उजाला, रविवार, 15 मई 2022, Page No.05.

नई तकनीक की दी जानकारी

श्रीनगर। नगर के जीजीआईसी में समग्र शिक्षा के तहत छात्राओं के लिए दो दिवसीय कार्यशाला. आयोजित की गई, जिसमें आईआईटी कानपुर और एनआईटी उत्तराखंड से पहुंचे शिक्षकों ने तकनीकी व उपकरणों से छात्राओं को अवगत करवाया। आईआईटी कानपुर से पहुंचे शिक्षक विनय कुमार ने छात्राओं को नई टेक्नोलॉजी के उपकरणों के प्रयोग और उनके कार्यों के बारे में बताया। साथ ही मेकेनिकल टूल्स, सोल्डरिंग, रोबोटिक्स व स्टीम किट का प्रशिक्षण दिया। संवाद

दैनिक जागरण, बुधवार, 18 मई 2022, Pag

जीजीआइसी श्रीनगर में विज्ञान को लेकर आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों के बारे में बताते आइआइटी कानपुर के विनय कुमार • जागरण

छात्राओं में वैज्ञानिक सोच व रुझान का बढ़ना जरूरी : सुमनलता

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के साथ ही विज्ञान के प्रति उनका रुझान बढ़ाने को लेकर राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (रमसा) के तहत स्कूलों में अतिआधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों के साथ टिंकरिंग लैब की स्थापना की जा रही है। शनिवार को आइआइटी कानपुर के सहयोग से राजकीय बालिका इंटर कालेज (राबाइंका) श्रीनगर में इस लैब की स्थापना की गई।

राबाइंका श्रीनगर की प्रधानाचार्या डा. सुमनलता पंवार ने कहा कि छात्राओं में भी वैज्ञानिक सोच के साथ ही उनका विज्ञान के प्रति रुझान बढ़ना भी समाज हित में बहुत जरूरी है। आइआइटी कानपुर से आए मेंटर विनय कुमार ने छात्राओं को नई टेक्नालाजी को लेकर नए उपकरणों का संचालन करने और इन उपकरणों से प्राप्त होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया। रोबोटिक्स प्रशिक्षण, मैकेनिकल टूल्स, सोल्डरिंग आदि का प्रशिक्षण भी विनय कुमार द्वारा छात्राओं को दिया गया। एनआइटी श्रीनगर के प्रवक्ता डा. पंकज कंडवाल ने टिंकरिंग लैब को लेकर छात्राओं को तकनीकी प्रशिक्षण दिया।

राबाइंका में टिंकरिंग लैब की प्रभारी डा. सरिता उनियाल ने कहा कि ऐसी कार्ययोजनाओं से छात्राओं में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ने के साथ ही उनमें वैज्ञानिक समझ भी विकसित होगी। विद्यालय परिवार की ओर से डा. सरिता उनियाल ने आइआइटी कानपुर के विनय कुमार और एनआइटी श्रीनगर के डा. पंकज कंडवाल का आभार व्यक्त किया।

अमर उजाला, शुक्रवार, 27 मई 2022, P

आईआईटी के पूर्व प्रोफेसर ने किया एनआईटी का दौरा

श्रीनगर। आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) दिल्ली के पूर्व चेयर प्रोफेसर और संचार अभियांत्रिकी सूचना एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईसीईआईटी) के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एचएम गुप्ता ने एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड का भ्रमण किया।

एनआईटी उत्तराखंड की ओर से प्रो. गुप्ता को छात्र-छात्राओं के मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों सहित भारत में शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक क्षेत्र में लगभग 35 साल का अनुभव है। यहां उन्होंने संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी समेत डीन और एचओडी के साथ शैक्षणिक प्रक्रिया और संस्थान के ढांचे की जानकारी ली। संवाद

दैनिक जागरण, शुक्रवार, 27 मई 2022,

आइआइटी दिल्ली के एमेरिटस प्रो. एचएम गुप्ता के साथ एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी एवं फैकल्टी • जागरण

पीएचडी और एमटेक छात्रों को दिए सफलता के टिप्स

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर गढ़वाल के छात्र-छात्राओं को टेक्नोलाजी के क्षेत्र में नित नए-नए हो रहे आविष्कारों और आधुनिक ज्ञान विज्ञान पर अपडेट करने को लेकर संस्थान में तीन दिवसीय विशेष एकेडमिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। एनआइटी के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी के विशेष अनुरोध पर आइआइटी दिल्ली के एमेरिटस और चेयर प्रोफेसर डा. एचएम गुप्ता ने विशेष रूप से अपने तीन दिन के प्रवास में एनआइटी के पीएचडी और एमटेक छात्र-छात्राओं को सफलता के गुर दिए। साथ ही फैकल्टी और छात्रों के साथ विचारों को साझा भी किया।

गुरुवार को संपन्न हुए इस विशेष शैक्षणिक कार्यशाला में प्रो. गुप्ता ने प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और विकास को लेकर भी फैकल्टी और छात्रों को विशेष व्याख्यान दिए। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, कंप्यूटर विभाग और इंजीनियरिंग विभाग के भ्रमण के दौरान उन्होंने छात्रों के साथ ही फैकल्टी को भी अपडेट किया। एनआइटी के शैक्षणिक विकास और प्रक्रिया तथा संरचना को लेकर प्रो. गुप्ता ने निदेशक ललित अवस्थी के साथ बैठक की। इसमें संस्थान के डीन और सभी विभागाध्यक्ष भी शामिल हुए। एनआइटी के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि प्रो. एचएम गुप्ता के आने से एनआइटी के छात्र और फैकल्टी भी बहुत लाभांवित हुई हैं। एनआइटी के कुलसचिव डा. प्रभाकरमणि काला ने कहा कि अपने सुझावों के साथ प्रो. एचएम गुप्ता की ओर से एक रिपोर्ट भी तैयार कर संस्थान के निदेशक प्रो. अवस्थी को दी जाएगी।